सांध्य दैनिक
4PM

याद रखिये जहां कहीं भी आपका दिल है, वहीं आप अपना खजाना पाएंगे।
-पाओलो कोएलो

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 278 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 17 नवम्बर, 2023

दक्षिण अफ्रीका को हराकर ऑस्ट्रेलिया... 7 | मैं तेरे वोट में क्या-क्या न बना... 3 | दिल्ली के प्रदूषण का ठीकरा दूसरों... 2

तीखी झड़पों के बीच मप्र और छत्तीसगढ़ में जमकर पड़े वोट

कांग्रेस व बीजेपी ने किए अपनी-अपनी जीत के दावे

- दोपहर के बाद धीरे-धीरे बढ़ा मतदान
- कमलनाथ ने लगाया बीजेपी पर पैसे बांटने का आरोप
- मप्र में 64,626 पोलिंग बूथ पर हो रहे हैं मतदान
- छत्तीसगढ़ के धमतरी में सीआरपीएफ की टीम पर नक्सली हमला
- दिमनी में मतदान केंद्र पर पथराव और गोलीबारी हुई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में छिटपुट हिंसक घटनाओं के बीच मतदान धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। दोनों राज्यों में दिन चढ़ते-चढ़ते लोग भारी मात्रा में वोट डालने के लिए घरों से निकल रहे हैं। वहीं सियासी पार्टियां एक-दूसरे पर धांधली का आरोप भी लगा रही हैं। इस बीच दोपहर तक छत्तीसगढ़ में 40 व मध्य प्रदेश में लगभग 45 प्रतिशत वोटिंग के आंकड़े आ रहे हैं। पिछले दो महीने से सूबे की जनता अपने-अपने उम्मीदवारों को टटोलने में लगी है, तो वहीं राजनीतिक पार्टियां लगातार वोटर्स को लुभाने के प्रयास में जुटी हुई थीं। आज उनकी किस्मत के फैसले के दिन है।

विधानसभा चुनावों के लिए मध्य प्रदेश में 64,626 पोलिंग बूथ बने हैं मध्य प्रदेश की ज्यादातर सीटों पर मतदान का समय सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक ही है, लेकिन कुछ सीटों पर वोटिंग सुबह सात से दोपहर तीन बजे तक ही होगी। ये सीटें बालाघाट, मंडला और डिंडोरी जिले में हैं। सूबे के साढ़े पांच करोड़ से ज्यादा मतदाता ढाई हजार से ज्यादा उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला कर रहे हैं। साथ ही साथ लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व में अपना योगदान दे रहे हैं। वहीं मतदान के बीच धमतरी में सीआरपीएफ की टीम पर नक्सली हमला हुआ है। गस्त पर निकले सीआरपीएफ और डीआरजी की टीम पर आईईडी ब्लास्ट किया। बाइक सवार दो जवान बाल-बाल बच गए। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान जारी है। सुबह 9 बजे तक 11 फीदस मतदान हुआ है। भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों के लिए यह चुनाव किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होगा। मतदाताओं ने पिछली बार कमलनाथ की 15 महीने और शिवराज की साढ़े तीन वर्ष की सरकार को देखा है। उधर मप्र के भिंड व मुरैना में भाजपा व कांग्रेस कार्यकर्ताओं में तीखी बहस की खबर है।

सीटों की संख्या जनता तय करेगी : कमलनाथ

मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और छिंदवाड़ा से पार्टी के उम्मीदवार कमलनाथ ने बीजेपी और सीएम शिवराज सिंह चौहान पर जोरदार हमला बोला है। कमलनाथ ने कहा कि, मुझे पूरे प्रदेश पर भरोसा है कि, जनता सच्चाई का साथ देगी। मुझे जनता पर, मतदाताओं पर भरोसा है। मैं शिवराज सिंह नहीं हूं कि, कह दूंगा कि हम इतनी या उतनी सीटें जीतेंगे, सीटों की संख्या जनता तय करेगी। वहीं कमलनाथ ने आगे बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि,बीजेपी के पास पुलिस, पैसा और प्रशासन है. अभी कुछ और घंटों तक उनके पास यह रहेगा। कल, मुझे कई फोन कॉल आए, किसी ने मुझे एक वीडियो भेजा जिसमें दिखाया गया है कि, शराब और पैसा बांटा जा रहा है। लगभग दो महीने से विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटे मध्य प्रदेश में आज मतदान का दिन है।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस दोबारा सत्ता में आएगी : टीएस सिंह देव

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और अंबिकापुर से पार्टी उम्मीदवार टीएस सिंह देव ने कहा कि कांग्रेस जीतने जा रही है। मेरी प्राथमिकता लोगों और परिवारों की बेहतरी है। आप (बीजेपी) ईडी की पल्लू के पीछे छिपने की कोशिश क्यों कर रहे हैं, सीएम चेहरे को लेकर उन्होंने कहा, पार्टी की ओर से कभी भी मेरा नाम सीएम के लिए प्रोजेक्ट नहीं किया गया। हम संयुक्त नेतृत्व में लड़ रहे हैं और इसका नेतृत्व भूपेश बघेल कर रहे हैं। मैंने नहीं सुना कि मेरा नाम सीएम के तौर पर प्रोजेक्ट किया गया है। हां, मेरे संपर्क में रहने वाले लोगों के मन में यह बात है। सक्ती विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. चरण दास महंत ने अपनी पत्नी और सांसद ज्योत्सना महंत के साथ सारागांव स्थित मतदान केंद्र में मतदान किया। इस दौरान उन्होंने बिलासपुर संभाग में कांग्रेस की जीत का दावा करते हुए कहा कि भाजपा के घोषणा पत्र का जादू नहीं चलेगा।

सीएम पद मेरे लिए महत्वपूर्ण नहीं : शिवराज

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से बीजेपी के सीएम चेहरे को लेकर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा, यह मेरे लिए महत्वपूर्ण नहीं है, हमारी पार्टी यह फैसला लेती है कि किसे कहां काम करना है, हम अपने बारे में नहीं सोचते, हमारा मिशन देश और मध्य प्रदेश के विकास के लिए काम करना है. बीजेपी को इतिहास का सबसे बड़ा बहुमत मिलने जा रहा है।

गड़बड़ ईवीएम और वीवीपैट को बदला गया : मुख्य निर्वाचन अधिकारी

मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुपम राजन ने कहा कि अभ्यास मतदान के दौरान कुछ मशीनों में गड़बड़ी की सूचना मिली थी, जिन्हें तुरंत बदल दिया गया. उन्होंने कहा कि वोटिंग हो रही है, जहां भी ईवीएम और वीवीपैट में दिक्क त आई, तुरंत उन्हें बदल दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में कई जगह ईवीएम खराब

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए आज यानी 17 नवंबर को मतदान हो रहा है। 7 नवंबर को पहले चरण में 20 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ था। बची सभी 70 सीटों पर आज मतदान हो रहा है। इनमें पाटन, अंबिकापुर और सक्ती विधानसभा समेत कई सीटों पर कांटे की टक्कर है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत कई दिग्गज नेताओं की साख दांव पर लगी है। छत्तीसगढ़ में 11 बजे तक 19.65 प्रतिशत वोटिंग हुई है। मतदान केंद्रों के सामने अभी लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं। बिंद्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के नौ संवेदनशील मतदान केंद्रों में सुबह सात बजे से मतदान चल रहा है, जबकि अन्य केंद्रों में सुबह आठ बजे से मतदान शुरू हुआ है।

मैं मुख्यमंत्री पद की रेस में ही नहीं : सिंधिया

कैबिनेट मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी ग्वालियर में वोट डालने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत की और उनके मुख्यमंत्री पद के दावेदार होने की तमाम अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, मैंने पहले से ही कहा है कि मैं मुख्यमंत्री पद की रेस में नहीं हूं इस रेस में न मैं कभी था और न मैं आज हूं, मुझसे तीनों बार पूछा गया, साल 2013 में, साल 2018 में और आज भी। तीनों बार मैंने कहा है कि मैं सीएम की रेस में नहीं हूं। मुख्यमंत्री पद की रेस को लेकर टिप्पणी करते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आगे कहा कि ये रेस कुर्सी की नहीं है, ये रेस विकास की है, प्रगति की है और जनता के विश्वास को सुनिश्चित रखने की है। इस दौरान सिंधिया ने कांग्रेस पार्टी पर भी हमला बोला और कहा कि मुख्यमंत्री पद की कुर्सी की रेस कांग्रेस में होती है।

गठबंधन में कोई टूट नहीं : अखिलेश

» सामाजिक न्याय यात्रा को दिखाई हरी झंडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बने गठबंधन इंडिया में टूट को लेकर लगाए जा रहे कयासों का खंडन करते हुए कहा कि गठबंधन की बात पहले होती रही है। अभी भी हुई है आगे भी होती रहेगी। मध्य प्रदेश में हमने अपने कार्यकर्ताओं के दम पर चुनाव लड़ा है और हमें उम्मीद है कि परिणाम हमारे पक्ष में आएंगे। अखिलेश यादव गुरुवार को सपा कार्यालय में सामाजिक न्याय यात्रा के शुभारंभ के मौके पर मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि ये यात्रा जनता को जागरुक करने के लिए है।

यह यात्रा लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यात्रा का समापन 25 नवंबर को बिजनौर में होगा। हम सरकार से जातीय जनगणना की मांग करते हैं। पूरे देश में होनी चाहिए जिससे कि पता चल सके और समाज की कौन सी जातियां हैं जिन्हें विकास का लाभ नहीं मिल सका है।

धर्म पर न बोलें कार्यकर्ता : सपा प्रमुख

स्वामी प्रसाद मौर्य के हिंदू धर्म को लेकर दिए गए बयानों पर उन्होंने कहा कि समाज में जाति व धर्म को लेकर नफरत नहीं होनी चाहिए। जहां तक समाजवादियों की बात है तो हमने कहा था कि धर्म को लेकर कभी कोई बात नहीं कहनी। जो धर्म जैसा है उसे हमें वैसे ही स्वीकार करना चाहिए। पत्रकार भी न सवाल पूछें न खबर चलाएं। सामाजिक न्याय की लड़ाई चलती रहनी चाहिए और जातीय जनगणना होनी चाहिए। इसी से सभी वर्गों का विकास संभव है।

वहीं सपा प्रमुख ने कहा कि समाजवादी पार्टी, सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के साथ रहेगी, दोनों दलों का साथ अल्पकालिक नहीं बल्कि दीर्घकालिक होगा। हम हर स्तर पर महेंद्र राजभर और सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी का आगे बढ़कर सम्मान करेंगे। महेंद्र राजभर जी की सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी नई जरूर है लेकिन महेंद्र राजभर जी दमदार नेता है और अपने कार्यकर्ताओं के लिए जोखिम उठाने वाले नेता हैं। हम सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के मुद्दों और लड़ाई से पूरी तरह सहमत हैं। हम सभी मिलकर आने वाले दिनों में संघर्ष के माध्यम से सभी वर्ग के पिछड़े गए लोगों की बेहतरी के लिए कार्य करेंगे। वह गन्ना संस्थान में सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी द्वारा आयोजित प्रदेश पदाधिकारी सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

और तेज करेगी कांग्रेस पदयात्रा और आंदोलन

कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में बैठक में लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाई गई। तय किया गया कि बूथ की सक्रियता बढ़ाई जाएगी। जनहित के मुद्दों को लेकर आंदोलन चलाया जाएगा। इसके लिए जल्द ही पदयात्रा निकाली जाएगी। बैठक में वरिष्ठ नेताओं ने गठबंधन का फैसला शीर्ष नेतृत्व पर छोड़ने और तात्कालिक तौर पर सपा से समान दूरी बनाकर चलने की सलाह दी। ताकि जो लोग कांग्रेस में आ रहे हैं, वे असहज न हों। प्रदेश मुख्यालय में जुटे जिला व शहर अध्यक्षों एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं ने फीडबैक दिया। सभी ने जातीय जनगणना और आरक्षण के मुद्दे को निरंतर धार देने पर जोर दिया। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि वरिष्ठ नेताओं की सलाह मानते हुए जिला एवं प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैठक में हिस्सा ले रहे युवाओं से लेकर बुजुर्ग तक के सुझाव से पार्टी 2024 में प्रदेश में बदलाव करेगी। जल्द ही भाजपा की जनविरोधी नीतियों और तानाशाही रवैये के खिलाफ संघर्ष शुरू किया जाएगा। बैठक में महासचिव दिनेश सिंह, प्रमोद पांडेय, अंशू अवस्थी, हरीश बाजपेई व अब्दुल मन्नान समेत कई नेता शामिल हुए। राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम ने कहा हर नेता घर-घर पहुंचकर कांग्रेस की नीतियों और कांग्रेस सरकारों के कामों को बताए। जनता को कांग्रेस से ही उम्मीद है। क्योंकि प्रदेश का प्रत्येक वर्ग परेशान है।

बसपा को बदनाम कर रही कांग्रेस : मायावती

» चुनाव आयोग से की मामले को संज्ञान लेने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस पर फर्जी वीडियो फैलाकर दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बसपा की मजबूत स्थिति को देखते हुए षड्यंत्र किया जा रहा है। उन्होंने चुनाव आयोग से मामले का संज्ञान लेने की अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मतदान पूर्व चाहे भाजपा जीत जाए किन्तु कांग्रेस को नहीं जीतना चाहिए' जैसा विशुद्ध गलत व फर्जी वीडियो का कांग्रेस द्वारा प्रचारित करना दुर्भाग्यपूर्ण व उनकी हताशा का प्रतीक है। यह षड्यंत्र बसपा की मजबूत स्थिति को देखते हुए है।

इससे लोग सावधान रहें। कांग्रेस का इन राज्यों में अति-मिथ्या प्रचार जारी है जबकि बसपा द्वारा चुनावी सभाओं में लोगों से वोट देने तथा विरोधी पार्टियों के साम, दाम, दण्ड, भेद आदि हथकण्डों से सावधान रहने की अपील की गयी है। जो पार्टी की मजबूत स्थिति को देखते हुए कांग्रेस की बौखलाहट से स्पष्ट है। अब जबकि मतदान नजदीक है विरोधी पार्टियों में भी खासकर कांग्रेस द्वारा, भाजपा से मजबूती से लड़ने के बजाय, बसपा विरोधी अपनी पुरानी नापाक हरकतों व साजिशों को जारी रखना घोर अनुचित व दुर्भाग्यपूर्ण है जिससे लोग सावधान रहें तथा चुनाव आयोग भी इसका समुचित संज्ञान ले। मध्य प्रदेश में विस चुनाव के लिए 17 नवंबर को मतदान होगा।

भाजपा के पक्ष में निर्वाचन आयोग अपना रहा 'दोहरे मानदंड' : उद्धव

» 1987 में बाल ठाकरे के मतदान के अधिकार को रद्द कर दिया था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस वादे को लेकर निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा है कि यदि मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार सत्ता में बनी रहती है तो वह राज्य के लोगों के लिए अयोध्या में राम मंदिर में 'दर्शन' कराने की व्यवस्था करेगी। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि पार्टी ने इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर पूछा है कि क्या उसने आदर्श आचार संहिता में ढील दी है। पत्र में निर्वाचन आयोग पर भाजपा के पक्ष में 'दोहरे मानदंड' अपनाने का आरोप लगाया गया है।

ठाकरे ने कहा कि 1987 में महाराष्ट्र के विले पार्ले विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव हिंदुत्व के मुद्दे पर लड़ा गया था, जिसके कारण निर्वाचन आयोग ने शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के मतदान के अधिकार को रद्द कर दिया था। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि हमें लगता है कि (इस बार) आदर्श आचार संहिता में ढील दी गई है।

बिहार को दें विशेष राज्य का दर्जा : नीतीश

» सीएम बोले- नहीं तो होगा आंदोलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के लिए विशेष राज्य की मांग एक बार फिर से जोर पकड़ने लगा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज एक बार फिर से यह मांग की है। साथ ही उन्होंने आंदोलन की चेतावनी भी दे दी है। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलेगा तो बिहार का विकास होगा। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास होने में 5 साल लगेंगे इसलिए कह रहा हूं कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलेगा तो 2 साल में ही हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि अभी हमें विशेष राज्य का दर्जा दे दीजिए... अगर उन्होंने इसमें देरी की तो हम आंदोलन शुरू करेंगे। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के कार्यक्रम में नीतीश कुमार

ने कहा कि दिल्ली के लोग हमारे बारे में लिखने नहीं देते। उन्होंने कहा, आप मेरी बात सुनेंगे और तेजी से काम करेंगे। मैं तुम्हें देखने के लिए खुश हूं। आप तेजी से काम करते हैं। सीएम नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि केंद्र से एकमात्र मांग बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की है, ताकि सभी लोगों का उत्थान हो सके। बिहार विधानसभा ने 9 नवंबर को विधेयक पारित किया, जिसके तहत अब आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी करने की योजना है। सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण की सीमा 50 फीसदी तय कर दी। बिहार में 10 फीसदी ईडब्ल्यूएस कोटा वाले बिल को अगर राज्यपाल मंजूरी दे देते हैं तो आरक्षण की सीमा 75 फीसदी हो जाएगी. यह बिल अभी राज्यपाल के पास लंबित है और इसे मंजूरी नहीं मिली है।

जाति आधारित जनगणना से हर जाति की स्थिति पता चलेगी

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि जाति आधारित जनगणना से हर जाति की स्थिति की जानकारी सामने आती है। अब हम सब उठेंगे। लालू काल की तुलना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले सब कुछ होता था, सब मैं ही करता था। पिछड़ा, अति पिछड़ा और एससी-एसटी के लिए आरक्षण की सीमा बढ़ाने वाले विधेयक पर सीएम ने कहा कि यह अभी राज्यपाल के पास लंबित है। उम्मीद है कि वह आज इस विधेयक को मंजूरी दे देंगे।

दिल्ली के प्रदूषण का ठीकरा दूसरों पर फोड़ना अनुचित

» केजरीवाल सरकार पर जमकर बरसे उपराज्यपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिवाली के बाद गुरुवार को चौथे दिन भी दिल्ली की हवा की गुणवत्ता बहुत खराब रहने पर दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने सरकार पर कड़ा प्रहार किया और कहा कि दिल्ली के प्रदूषण के लिए अन्य राज्यों को दोष देना कोई समाधान नहीं है और असली समाधान दिल्ली में ही है। एलजी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दिल्ली को केवल दिखावे की नहीं, बल्कि कार्रवाई की जरूरत है और कहा कि राजनीति इंतजार कर सकती है।

उपराज्यपाल ने कहा, हम दूसरे राज्यों से आने वाले पराली के धुएं को रोकने के लिए उनसे गुहार लगाने के अलावा और कुछ नहीं कर सकते। राज्यों, विशेषकर पंजाब के उदासीन रहने के बावजूद, हम दया के लिए याचिकाकर्ता हैं। एक्यूआई अभी भी 400 के आसपास है, जिससे राजधानी हांफ रही है। पटाखे निश्चित रूप से खतरे को बढ़ाते हैं। इस गैस चैंबर से सबसे ज्यादा प्रभावित वे लोग हैं जो अपनी रोजी रोटी कमाने के लिए सड़कों पर सफर करते हैं। झुग्गी-झोपड़ियों और अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले गरीब और असहाय लोग, जिनके फेफड़े सूख रहे हैं क्योंकि वे घर पर बैठकर एयर प्यूरीफायर खरीदने का जोखिम नहीं उठा सकते। हम अपनी बिना मरम्मत वाली सड़कों, कच्चे फुटपाथों और निर्माण स्थलों के कारण पैदा होने वाली धूल को कम करके दमघोंटू धुंध को कम कर सकते हैं। एलजी ने कहा, हम अपने वाहनों से होने वाले उत्सर्जन पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी तरीके अपना सकते हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि नवंबर के पहले सप्ताह में फसल जलाने और दिवाली के मौसम के साथ दिल्ली में स्मॉग एक बार-बार आने वाला मुद्दा बन गया है, जो आलोचना और बयानबाजी के अलावा कुछ नहीं है।

पीएम मोदी के काम से हुआ मेरा हृदय परिवर्तन : शेहला

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की पूर्व छात्र नेता शेहला रशीद के सुर अब बदले-बदले से दिख रहे हैं। हमेशा से भाजपा की आलोचना करने वाली शेहला ने कश्मीर पर केंद्र की नीति की सराहना की है और कहा है कि घाटी में व्यापक सकारात्मक बदलाव हो रहे हैं। जब शेहला से पूछा गया कि कश्मीर नीति पर वो एकदम से केंद्र सरकार की प्रशंसा क्यों करने लगी हैं, तो उन्होंने कहा कि घाटी में बहुत तेजी से बदलाव आया है और इसके तथ्य पेश करने के लिए वो तैयार हैं। शेहला ने कहा कि मेरा हृदय परिवर्तन मोदी जी के काम से हुआ और वो काम कश्मीर में दिखाई दे रहा है। शेहला ने आगे कहा कि पीएम मोदी एक निस्वार्थ व्यक्ति हैं और वो भारत के लिए बड़े फैसले लेने से डरते नहीं है। शेहला ने आगे कहा कि पीएम ने अपने खिलाफ कई आलोचनाओं को झेला, लेकिन वो अपने विकास के कामों से पीछे नहीं हटे। शेहला राशिद ने आगे कहा कि केंद्र नीतियों में कोई कमी नहीं है और वो इसके लिए किसी से भी बहस के लिए तैयार हैं और घाटी में हो रहे बदलावों पर तथ्य पेश भी कर सकती हैं। बता दें कि शेहला राशिद स्मिता प्रकाश के साथ एएनआई पॉडकास्ट के दौरान एक साक्षात्कार दे रही थीं।

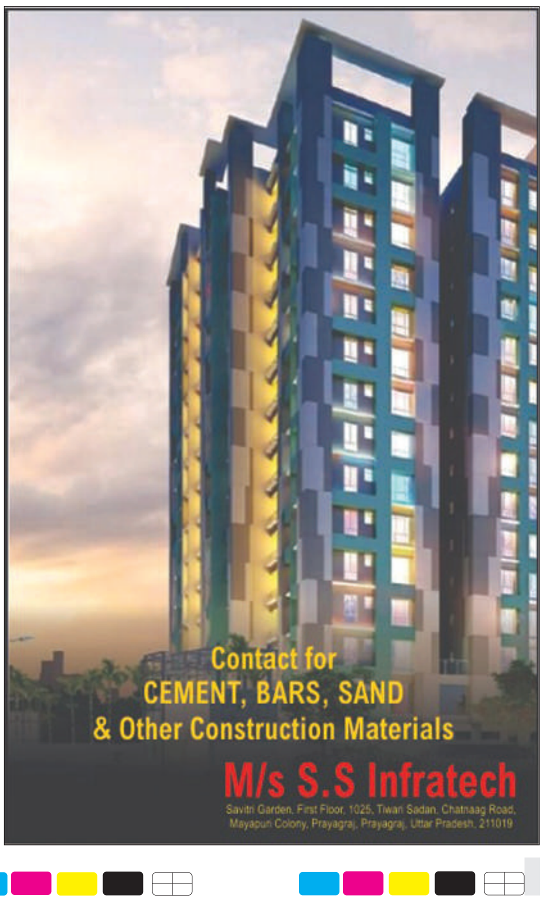

मैं तेरे वोट में क्या-क्या न बना वोटर...

चुनाव जीतने को हर किरदार निभाने को तैयार नेता जी

- कोई डोसा बना रहा.. कोई खेतों में कर रहा काम!
- मतदाताओं को लुभाने के लिए अजब तरीके अपना रहे प्रत्याशी
- महिलाओं के साथ डांस करती नजर आईं बीआरएस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। चुनावों में प्रचार का तरीका भी मतदाताओं को आकर्षित करने में अहम भूमिका निभाता है। इसलिए दल चाहे कोई भी हो नेता प्रचार के नए-नए तरीके अपनाते रहते हैं ताकि उसके आधार पर वह वोट हासिल कर सके और सत्ता के करीब पहुंच जाए। इसके लिए नेता धोबी, कुक, किसान से लेकर मैकेनिक तक का रूप धारण करते हैं। इसी क्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी कुली से लेकर ड्राइवर तक बन जा रहे है। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी विधानसभाओं में चुनाव प्रचार के पारंपरिक तरीके अपना रहे हैं और पदयात्रा निकाल रहे हैं।

इस दौरान ओवैसी भी अपने उम्मीदवारों के साथ खाने-पीने की दुकानों पर रुककर खाने का आनंद भी ले रहे हैं। इन नेताओं को देखकर तो यही कहना पड़ रहा मै. तेरे वोट के लिए क्या क्या न बना वोटर... कभी कुक तो कभी ड्राइवर। राजनीति के रंग भी अजब होते हैं, चुनाव के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिए राजनेता क्या-क्या नहीं करते। ऐसे ही कुछ नजारे इन दिनों तेलंगाना विधानसभा चुनाव के दौरान देखने को मिल रहे हैं। दरअसल यहां नेता सड़क किनारे एक ठेले पर डोसा बनाने से लेकर बाल काटने की दुकान पर कैंची तक पकड़े नजर आ रहे हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से लेकर स्थानीय उम्मीदवार तक मतदाताओं को लुभाने के लिए नए-नए तरीके आजमा रहे हैं, खासकर तब जब आसपास मीडिया हो।

तेलंगाना सरकार के मंत्री और बीआरएस उम्मीदवार पुवादा अजय कुमार चुनाव प्रचार के दौरान खम्मम इलाके में एक दुकान में लोगों के बाल काटते नजर आए। चुनाव प्रचार के दौरान नेताओं को फूड स्टाल पर चाय बनाते, बच्चों को खाना खिलाते भी देखा जा रहा है। तेलंगाना की मंत्री माला रेड्डी, जो कि मेदचल सीट से चुनाव लड़ रही हैं, वह महिलाओं के एक समूह से बात करती नजर आईं। इस दौरान उन्होंने एक बुजुर्ग महिला को उठाकर अपनी गोद में भी बिठा लिया। वहीं एक अन्य जगह पर वह तेलंगाना की पारंपरिक धुन पर डांस भी करते नजर आई थी। चुनाव प्रचार के दौरान खेत में काम करने पहुंच गए बीआरएस नेतामहबूबनगर सीट से बीआरएस उम्मीदवार श्रीनिवास गौड़ हाल ही में एक रैली को संबोधित कर लौट रहे थे। इस दौरान उन्होंने देखा कि कुछ महिलाएं एक खेत में काम कर रही हैं तो बीआरएस नेता ने भी तुरंत अपना काफिला रुकवाया और महिलाओं के पास खेत में जाकर महिलाओं की मदद करने लगे। इस दौरान बीआरएस नेता ने महिलाओं से पार्टी को वोट देने की भी अपील की। तेलंगाना में चुनाव प्रचार के दौरान प्रत्याशियों के परिजन भी चुनाव प्रचार में जुटे हैं। बता दें कि तेलंगाना में 30 नवंबर को मतदान होगा और 3 दिसंबर को चुनाव नतीजों की घोषणा की जाएगी।

राजस्थान के लिए बीजेपी का संकल्प पत्र जारी

जयपुर। राजस्थान में चुनावी घमासान के बीच भाजपा ने अपना घोषणा पत्र जारी किया। याद रहे कि भाजपा घोषणा पत्र को संकल्प पत्र कहती है। घोषणा पत्र जारी करते हुए उन्होंने कहा कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि बाकी पार्टियों को लिए ये महज एक औपचारिकता है, लेकिन भाजपा इन वादों को पूरा करने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र ने राजस्थान की मदद करने की पूरी कोशिश की। जेपी नड्डा ने आगे कहा, कांग्रेस भ्रष्टाचार में नंबर-1 पार्टी है। अशोक गहलोत सरकार के लिए जल जीवन मिशन, जेब भरो मिशन बन गया। राजस्थान में घोटाले वाली सरकार चल रही है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अगर राजस्थान में भाजपा की सरकार बनी तो गहलोत सरकार में हुए पेपर लीक मामले की SIT जांच कराई जाएगी। भाजपा राजस्थान में 40 हजार करोड़ रुपये इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च करेगी। वहीं, महिला सुरक्षा को लेकर जेपी नड्डा ने कहा कि हर जिले में एक महिला थाना खुलेगा और हर थाने में एक महिला डेस्क होगा।

राहुल गांधी ने बनाया डोसा

तेलंगाना में अपने चुनाव प्रचार अभियान विजयभेरी के दौरान राहुल गांधी बीते महीने सड़क किनारे एक फूड स्टाल पर रुके और डोसा बनाने पर अपने हाथ आजमाए थे। इस दौरान राहुल गांधी ने दुकानदारों से बात भी की थी। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी विधानसभाओं में चुनाव प्रचार के पारंपरिक तरीके अपना रहे हैं और पदयात्रा निकाल रहे हैं। इस दौरान ओवैसी भी अपने उम्मीदवारों के साथ खाने-पीने की दुकानों पर रुककर खाने का आनंद भी ले रहे हैं और वहां लोगों से बातचीत भी कर रहे हैं।

अब राजस्थान व तेलंगाना में छिड़ेगा प्रचार वार

- कांग्रेस, बीजेपी और बीआरएस ने संभाला मोर्चा
- जन-जन तक पहुंचने की कोशिश में सियासी दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दीपावली का त्योहार बीतने और मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ में चुनाव प्रचार अभियान समाप्त होने के साथ ही अब राजस्थान में 25 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए प्रचार की धूम आज से शुरू हो गई। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को ही बाड़मेर के बायतु में विधानसभा चुनाव की चुनावी सभा कर प्रचार अभियान की शुरुआत कर चुके हैं। लेकिन अबे इसमें और तेजी आ जाएगी। वहीं, मध्यप्रदेश में कल यानी 17 नवंबर को मतदान होगा, जिसके नतीजे तीन दिसंबर को आएंगे।

इसी क्रम में भाजपा राजस्थान के लिए अपना संकल्प पत्र जारी कर दिया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, हमारा इतिहास रहा है कि हमने जो कहा है वो किया है और जो नहीं कहा है वो भी किया है, राजस्थान देश का एक मात्र राज्य है, जहां बिजली का दर सबसे महंगा और पेट्रोल डीजल पर वैट सबसे ज्यादा है। यहां पेपर लीक ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उधर दक्षिणी राज्य तेलंगाना में बीजेपी जीत के लिए एड़ी चोटी को जोर लगा रही है। हालांकि वहां पर सीधी टक्कर कांग्रेस व बीआरएस में ही नजर आ रही हे पर राजनीति में कुछ भी होने क ी गुंजाइश बनी रहती है। तेलंगाना में विधायक राजा ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी ने असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाले एआईएमआईएम के नेताओं के साथ मिलीभगत की और निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 17,000 फर्जी वोट डाले, जिससे यह भाजपा और एमआईएम के बीच लड़ाई बन गई।

अगर बीजेपी सरकार नहीं बना सकी तो वह एक मजबूत विपक्ष के रूप में उभरेगी : राजा सिंह

भाजपा के गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार और निवर्तमान विधायक टी राजा सिंह का कहना है कि अगर भाजपा तेलंगाना में आगामी विधानसभा चुनावों में जीत नहीं पाती है, तो भगवा पार्टी एक मजबूत विपक्ष के रूप में उभरेगी। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सिकंदराबाद विधानसभा क्षेत्र में बाइक रैली का नेतृत्व किया।

अखिलेश-मायावती केजरीवाल ने भी में दिखाया दम

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को साधने में तीसरे मोर्चे ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और आम आदमी पार्टी तीनों के ही प्रमुख नेताओं ने मध्य प्रदेश में चुनाव की कमान संभाल रखी थी। इन तीनों ही दलों ने विंध्य, बुंदेलखंड और ग्वालियर चंबल की सीटों पर जोर लगाते हुए मतदाताओं को अपनी तरफ खींचने का भरपूर प्रयास किया। हालांकि ये राजनीतिक दल अपने मकसद में कितने कामयाब हुए ये तो 3 दिसंबर को आने वाला परिणाम ही बताएगा। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने मध्यप्रदेश में लगभग 10 सभाएं करते हुए, बुंदेलखंड, विंध्य और ग्वालियर चंबल में पार्टी प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे। 2018 के चुनाव परिणाम में बीएसपी को दो सीटों पर सफलता मिली थी। इस बार पार्टी को इससे अधिक सीटें जीतने की उम्मीद है। कई सीटों पर बीएसपी के उम्मीदवार बीजेपी-कांग्रेस को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सभाओं ने ज्यादा रोड शो पर फोकस किया। उनके साथ पंजाब के सीएम भगवंत मान भी चुनाव प्रचार में वोट मांगते नजर आए। आप को इस बार मध्य प्रदेश में खाता खुलने की उम्मीद है। आप ने सिंगरौली नगर निगम चुनाव में भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की था। ऐसे में आप की नजर सिंगरौली और चाचौड़ा पर है। चाचौड़ा में भाजपा से बागी ममता मीना को उम्मीदवार बनाया है। समाजवादी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एमपी के कटनी, सतना, बहोरीबंद, सीधी, चित्रकूट, टीकमगढ़, दमोह, निवाड़ी, दोहर , चंदला, पन्ना, राजनगर, अजयगढ़ में चुनावी सभाएं की हैं। उनके अलावा पत्नी डिंपल और चाचा शिवपाल यादव ने भी कई सीटों पर प्रचार किया। हालांकि बुदनी में भीड़ न जुटने पर अखिलेश को बिना सभा करने लौटना पड़ा था। 2018 में पार्टी को एक सीट मिली थी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

प्रदूषण पर बहस नहीं ठोस उपाय निकालें

"हालांकि दिल्ली-एनसीआर में पिछले हफ्ते हुई बारिश के बाद प्रदूषण से जो राहत मिली थी, वो दिवाली तक ही रही। दिवाली पर दिल्ली-एनसीआर में बैन के बावजूद भी जमकर आतिशबाजी हुई। इसके बाद फिर से राजधानी की हवा जहरीली हो गई। दिवाली के बाद दिल्ली समेत उत्तर भारत के तमाम शहरों में सांस लेना वैसे ही मुश्किल हो गया है जैसा आम तौर पर इस मौसम में होता रहा है।

प्रदूषण को लेकर दिल्ली में उपराज्यपाल व वहां की सरकार में ठनी है। एलजी ने कहा है प्रदूषण के लिए दूसरे राज्यों पर आरोप लगाना उचित नही उन्होंने कहा कि दिल्ली की गंदी हवा के लिए खुद दिल्ली जिम्मेदार है। वहीं दिल्ली सरकार ने इससे पहले कहा था दूसरे राज्यों की वजह से दिल्ली में हवा आईक्यूआई बढ़ रहा है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट तक ने हस्तक्षेप किया और प्रदूषण को कम करने को कहा । यहां पर ध्यान देने की जरूरत है बहस से अच्छा सरकारों को कुछ ठोस उपाय करने चाहिए ताकि इस समस्या से निजात किल सके। हालांकि दिल्ली-एनसीआर में पिछले हफ्ते हुई बारिश के बाद प्रदूषण से जो राहत मिली थी, वो दिवाली तक ही रही। दिवाली पर दिल्ली-एनसीआर में बैन के बावजूद भी जमकर आतिशबाजी हुई। इसके बाद फिर से राजधानी की हवा जहरीली हो गई। दिवाली के बाद दिल्ली समेत उत्तर भारत के तमाम शहरों में सांस लेना वैसे ही मुश्किल हो गया है जैसा आम तौर पर इस मौसम में होता रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में इस साल दिवाली पर फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पीएम 2.5 और पीएम 10 के स्तर में पिछले साल दिवाली के मुकाबले क्र मश : 45 और 33 फीसदी की बढ़ोतरी पाई गई।

निश्चित रूप से इसके पीछे वे तमाम कारण हैं जिन पर बात लगातार होती रहती है, लेकिन इस वक्त जो चीज सबसे ज्यादा मुंह चिढ़ाती दिख रही है वह है दिवाली में हुई आतिशबाजी। वायु प्रदूषण को रोकने के लिए प्रभावी नीतियां बनाकर उन्हें सही ढंग से लागू करने के मामले में सरकारों की नाकामी निश्चित रूप से तकलीफदेह है, लेकिन इस बात का क्या करें कि पटाखों की बिक्री पर बैन होने के बावजूदऑनलाइन ऑर्डर देकर घरों पर पटाखे मंगाए गए और देर रात तक फोड़े जाते रहे। क्या ऐसा करने वालों को पता नहीं था कि अगले दिन उन्हें उनके साथ-साथ हजारों ऐसे लोगों को भी ये हवा अपने फेफड़ों में भरनी है जो अस्थमा या दूसरी गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं? यह साल में सिर्फ एक बार कोई पर्व मना लेने भर का मामला नहीं है। यह बताता है कि एक समाज के रूप में हम आज भी कितने गैर-जिम्मेदार बने हुए हैं। हालांकि इन सबके बावजूद इस तथ्य को अनदेखा नहीं किया जा सकता कि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की समस्या बनी रहने के पीछे दिवाली के पटाखों की सीमित भूमिका ही है। इसके लिए ज्यादा जिम्मेदार पराली, बायोमास और कोयले को बताया जाता है। सबसे ज्यादा भूमिका पराली जलाने के चलन की है। यहां भी सरकारी कोशिशें किसानों पर सख्ती करने की ओर केंद्रित दिखती हैं जबकि यह मूलत: टेक्नॉलजी से जुड़ी प्रॉब्लम है। इसको रोकने का प्रावधान करना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मुफ्त की रेवड़ियों से कठघरे में चुनावी राजनीति

विश्वनाथ सचदेव

हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी ने निश्चय कर लिया है कि अगले पांच साल तक देश के गरीबों को मुफ्त राशन मुहैया करायेंगे। इस निश्चय की घोषणा उन्होंने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की चुनावी सभा में की है! यह 'निश्चय' शब्द उन्हीं का है। उन्होंने स्पष्ट कहा है, 'मैंने निश्चय कर लिया है।' उन्होंने यह नहीं कहा कि यदि वे चुनाव जीत गये। स्पष्ट है वे यह मानकर चल रहे हैं कि पांच राज्यों में ही नहीं, लोकसभा के 2024 के चुनाव में भी वही विजय हासिल करेंगे। ऐसी कोई सूचना कितनी विश्वसनीय है यह तो चुनाव-परिणाम ही बतायेंगे, पर मुफ्त अनाज बांटने की घोषणा करके उन्होंने यह तो बता ही दिया है कि गरीबों को मुफ्त अनाज चुनावी लड़ाई में उनका एक बड़ा हथियार है, जिसे वे कारगर मानते हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि चुनाव अक्सर 'रोटी, कपड़ा और मकान' के नाम पर ही जीते जाते रहे हैं। पिछले एक अर्से से इसमें धर्म और जुड़ गया है, पर भूख निश्चित रूप से सबसे महत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दा है। बेरोजगारी, महंगाई जैसे मुद्दे भी अंतत: भूख से ही जुड़े हुए हैं। ऐसे में यह मानना गलत नहीं होगा कि मुफ्त अनाज वाली यह तरकीब काफी कारगर सिद्ध हो सकती है। वस्तुत: मुफ्त अनाज की शुरुआत देश में कोरोना-काल में हुई थी। सरकारी दावों के अनुसार इस दौरान देश के अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज बांटा गया था। दुनियाभर में भारत सरकार की इस पहल की सराहना हुई थी। देश में भी प्रधानमंत्री मोदी के इस कदम को सराहा गया था। फिर, पिछले दो साल में भी इस अनाज योजना को लागू रखा गया और भाजपा को इसका लाभ भी मिला। प्रधानमंत्री को लग रहा है यह लाभ आगे भी मिलता रहना जरूरी है। इसीलिए अब आगामी पांच साल तक मुफ्त अनाज बांटने की इस योजना को चालू रखने के निश्चय की घोषणा कर दी गयी है। कोरोना-काल में इस तरह की योजना देश की जनता की आवश्यकता थी। इसमें कोई संदेह नहीं कि तब करोड़ों लोगों के रोजगार छिन गये थे।

बड़ी संख्या में फैक्टरियां, कारखाने, दफ्तर आदि बंद हो गये थे। बीमारी और बेरोज़गारी ने भयावह स्थिति उत्पन्न कर दी। ऐसी स्थिति में अस्सी करोड़ जनता को मुफ्त अनाज देकर सरकार ने एक अभूतपूर्व काम

किया था। लेकिन क्या आज भी स्थिति वैसी ही है जैसी तीन साल पहले थी? क्या अब भी फैक्टरियां, कारखाने, दफ्तर बंद हैं? क्या अब भी देश के लोग भूखे सो रहे हैं अथवा उन्हें भूखा सोना पड़ रहा है? यदि ऐसा है तो यह निश्चित रूप से गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। देश के अस्सी करोड़ लोगों की भूख मिटाने के लिए सरकार की 'अनुकंपा' पर निर्भर रहना पड़े, यह चिंता की बात भी है, और शर्म की बात भी। कोरोना-काल एक अपवाद था। उस समय की विवशताओं को समझा जा सकता है। पर ऐसी किसी व्यवस्था का स्थाई बन जाना अपने आप में एक बड़ी समस्या है। देश की जनता को काम मिले, उसकी भूख मिटे, उसे जीवन को बेहतर बनाने के पर्याप्त और उचित अवसर मिलें यह किसी भी सरकार का बुनियादी कर्तव्य होता है। लेकिन इस सबके लिए सरकार की कृपा की आवश्यकता हो और जनता को कतारों में खड़े होकर हाथ पसारने पड़ें तो इसे एक सोचनीय स्थिति ही कहा जाना चाहिए। सवाल यह भी उठता है कि यदि देश की अर्थ व्यवस्था दसवें से पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है, और तीसरे स्थान तक पहुंचाने के दावे किये जा रहे हैं, तो अस्सी करोड़ लोग मुफ्त राशन पर निर्भर क्यों हों? चुनावी मौसम में आश्वासनों और वादों की उपयोगिता असंदिग्ध है। दावे भी समझ में आते हैं। एक सीमा तक 'रेवड़ियां' बांटना भी समझ जा सकता है। पर अस्सी करोड़ लोगों को भूखा न सोना पड़े और इसके लिए सरकारी कृपा पर आश्रित होना पड़े, यह बात आसानी से समझ नहीं आती। इस स्थिति का सीधा-सा मतलब यह है कि सरकार देश की जनता को उचित जीवन-स्थितियां देने के अपने बुनियादी काम में विफल रही है। इस विफलता के लिए 'पिछली सरकारों' को दोषी ठहराना एक सीमा तक तो समझ में आता है, पर इस विफलता का सारा ठीकरा पहले की सरकारों पर फोड़ना किसी भी दृष्टि से समझ नहीं आता। कोई भी सरकार ऐसी स्थिति के दायित्व से बच नहीं सकती।

यह मान भी लिया जाये कि पिछली सरकारों ने अपना कर्तव्य ठीक ढंग से नहीं निभाया था, तब भी मौजूदा सरकार का यह कर्तव्य बनता है कि वह स्थिति को सुधारे। यदि आज सरकार को पांच साल तक मुफ्त अनाज बांटने की घोषणा करनी पड़ रही है तो यह इस बात का ही प्रमाण है कि सरकार की नीतियों में कहीं खोट है या फिर उनका क्रियान्वयन गलत है।

पीड़ितों के पुनर्वास के लिए बने सशक्त नीति

पंकज चतुर्वेदी

जलवायु परिवर्तन से उपजे हालात से मानवीय पलायन सदी का नया संकट है। असम का माजुली द्वीप इस त्रासदी का उदाहरण है। उत्तर-पूर्व के सबसे बड़े राज्य असम में ब्रह्मपुत्र नदी की तेज धाराओं के बीच स्थित माजुली को दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप कहते हैं। सन् 1951 में यह द्वीप लगभग 1,250 वर्ग किलोमीटर में फैला था, और आबादी 81,000 थी। अगले 60 वर्षों के दौरान, जनसंख्या दोगुनी से भी अधिक बढ़कर 167,000 हो गई, लेकिन द्वीप दो-तिहाई कम हो गया था। वर्ष 1950 और 2016 के बीच, माजुली के 210 गांवों में से 107 गांव आंशिक रूप से या पूरी तरह से नदी की भेंट चढ़ गए। विशेषज्ञ चेताते हैं कि हिमालय के पिघलते ग्लेशियरों के साथ ब्रह्मपुत्र में तीव्र होते जलप्लावन से 2040 तक माजुली लुप्त हो सकता है। यहां से हर साल हजारों लोग पलायन करते हैं।

जलवायु परिवर्तन से होते मानव-पलायन की सशक्त बानगी माजुली और राज्य के वे जिले हैं, जहां तेजी से नदियां अपने किनारों को खा रही हैं और खेती पर निर्भर लोग भूमिहीन हो जाते हैं और फिर किसी सस्ते श्रम की भट्ठी में इस्तेमाल होते हैं। दुर्भाग्य है कि हमारे देश में अभी तक जलवायु-पलायन शब्द को लेकर कोई नीति बनी नहीं। देश के सबसे बड़े मैंग्रोव और रॉयल बंगाल टाइगर के पर्यावास के लिए मशहूर सुंदरवन के सिमटने और उसका असर गंगा नदी के समुद्र में मिलन स्थल- गंगा-सागर तक पढ़ने की सबसे भयानक त्रासदी है कई हजार साल से बसे लोगों का अपना घर-खेत छोड़ने पर मजबूर होना। सुंदरवन का लोहाचारा द्वीप 1991 में गायब हो गया, जबकि बंगाल की खाड़ी से लगभग 30 किलोमीटर उत्तर में घोरमारा में पिछले कुछ दशकों में अभूतपूर्व क्षरण देखा गया है। यह 26 वर्ग किलोमीटर से घटकर लगभग 6.7 वर्ग किलोमीटर रह गया है। पिछले चार दशकों के दौरान कटाव तेजी से हुआ है, वर्ष 2011 में यहां की आबादी 40,000 के आसपास थी, अब केवल 5,193 रह गई है। हमारे तटीय क्षेत्र, जहां लगभग 17 करोड़ लोग रहते हैं, बदलती जलवायु की मार में सबसे आगे हैं।

यहां समुद्र जलस्तर में वृद्धि, कटाव, उष्णकटिबंधीय तूफान और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। बंगाल की खाड़ी में अभी तक का सबसे शक्तिशाली तूफान 'चक्रवात अम्फान' आया, जिससे कई लाख लोगों को घर खाली करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सबसे अधिक खतरनाक कटाव समुद्री किनारों का है, जो गांव के गांव उदरस्थ कर रहा है, साथ ही जलस्तर बढ़ने से महानगरों की तरफ भी डूबने की चेतावनियां सशक्त हो रही हैं। दरअसल, जलवायु परिवर्तन का कुप्रभाव हमारे यहां चरम मौसम, चक्रवातों की बढ़ती संख्या, बिजली गिरने, तेज लू और इससे जुड़े खेती में बदलाव, आवास-भोजन जैसी दिक्कतों के रूप में सामने आ रहा है। चरम मौसम से पलायन का सबसे अधिक खमियाजा महिला और बच्चों को भोगना होता है। भारत में बाढ़ और तूफान ने बीते छह सालों में 67 लाख बच्चों को बेघर कर दिया है।

ये बच्चे स्कूल छोड़ने के लिए भी मजबूर हुए हैं। यूनिसेफ तथा इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर के वर्ष 2016 से 2021 तक किए गए अध्ययन से यह खुलासा हुआ है। भारत, चीन तथा फिलीपींस के 2.23 करोड़ बच्चे विस्थापित हुए हैं। इन देशों में बच्चों के बेघर होने के पीछे भौगोलिक स्थिति जैसे मानसून की बारिश, चक्रवात और मौसम की बढ़ती घटनाएं भी हैं। भारत में बाढ़ के कारण 39 लाख, तूफान के कारण 28 लाख तथा सूखे के कारण 20 हजार बच्चे विस्थापित हुए हैं। भारत में, 2011 की जनगणना के अनुसार, लगभग 45 करोड़ लोग प्रवासित हुए, जिनमें से 64 फीसदी लोग ग्रामीण क्षेत्र से थे। प्रवासियों का एक बड़ा हिस्सा कम आय वाले राज्यों उत्तर प्रदेश और बिहार से है। ये दोनों राज्य दक्षिण एशिया के सबसे अधिक खेती वाले गांगेय क्षेत्र से आते हैं। घर छोड़कर जाने वाले कुछ लोग तो महज थोड़े दिनों के लिए काम करने गए, लेकिन अधिकांश का पलायन स्थायी हुआ। यह आबादी मुख्य रूप से हाशिए पर रहने वालों की थी जो कृषि पर निर्भर थे। समझना होगा गांगेय क्षेत्र भारत का सबसे घनी आबादी वाला क्षेत्र है, जहां लगभग 64 करोड़ लोग गरीबी में रहते हैं।

पलायन की गति तेज हो गई है और यह प्रवृत्ति भविष्य में भी जारी रहेगी। बढ़ता तापमान कृषि पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जिससे सीमांत कृषि पर निर्भर ग्रामीण आबादी की असुरक्षा बढ़ जाती है। इस प्रकार, जलवायु परिवर्तन ऐसे गरीब लोगों के लिए विकल्प की तलाश में घर-गांव छोड़ने के लिए मजबूर करता है। जब रोजगार के लिए महानगरों कि तरफ पलायन बढ़ता है तो यह पहले से ही सघन आबादी वाले इलाकों में स्वास्थ्य, साफ पानी, परिवहन आदि की नए तरीके की दिक्कतों को उपजाता है। दिल्ली जैसे शहर बीते कई सालों से भीषण गर्मी और लू के साक्षी रहे हैं। लू लगने और उसके बाद बरसात में मच्छरजनित रोगों से बेहद गरीब व शरणार्थी लोग बेहाल होते हैं। वैसे तो लोग बेहतर आर्थिक और सामाजिक अवसरों के लिए लंबे समय से देश के भीतर आते-जाते रहे हैं। भारत के 2017 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2011 और 2016 के बीच अंतर्राज्यीय पलायन सालाना नौ करोड़ के करीब था। जबकि 2011 की जनगणना में आंतरिक प्रवासियों की कुल संख्या 13.9 करोड़ या आबादी का लगभग 10 प्रतिशत दर्ज की गई है। जलवायु परिवर्तन से उपजा पलायन मजबूरी में हुआ सामाजिक विग्रह है।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने का समय

चौथा दिन यानी सप्तमी तिथि छठ महापर्व का अंतिम दिन होता है। इस दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण का होता है। इस साल 20 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इस दिन सूर्योदय सुबह 06:47 बजे होगा। इसके बाद ही 36 घंटे का व्रत समाप्त होता है। माना जाता है कि, छठ पूजा में मन-तन की शुद्धता बहुत जरूरी है। अर्घ्य देने के बाद व्रती प्रसाद का सेवन करके व्रत का पारण करती हैं।

कब है नहाय-खाय

छठ पूजा का यह महापर्व चार दिन तक चलता है। इसका पहला दिन नहाय-खाय होता है। इस साल नहाय-खाय 17 नवंबर को है। इस दिन सूर्योदय 06:45 बजे होगा। वहीं, सूर्यास्त शाम 05:27 बजे होगा। बता दें कि, छठ पूजा की नहाय खाय परंपरा में व्रती नदी में स्नान के बाद नए वस्त्र धारण कर शाकाहारी भोजन ग्रहण करते हैं। इस दिन व्रती के भोजन ग्रहण करने के बाद ही घर के बाकी सदस्य भोजन ग्रहण करते हैं।

उगते व डूबते सूर्य को अर्घ्य देने का पर्व है छठ पूजा

हिंदू धर्म के तमाम बड़े त्योहारों में छठ पूजा का भी विशेष महत्व है। छठ का पर्व कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर नहाय खाय से शुरू होता है। पंचमी को खरना, षष्ठी को डूबते सूर्य को अर्घ्य और सप्तमी को उगते सूर्य को जल अर्पित कर व्रत संपन्न किया जाता है। चार दिन चलने वाला इस पर्व में सूर्य और छठी मैय्या की पूजा की जाती है। इस दिन व्रत रखा जाने वाला व्रत बेहद कठिन माना जाता है, क्योंकि इस व्रत को 36 घंटों तक कठिन नियमों का पालन करते हुए रखा जाता है। यह व्रत संतान की लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की कामना के लिए रखा जाता है। छठ पूजा का व्रत रखने वाले लोग 24 घंटे से अधिक समय तक निर्जला उपवास रखते हैं।

खरना की तिथि

खरना छठ पूजा का दूसरा दिन होता है। इस साल खरना 18 नवंबर को है। इस दिन का सूर्योदय सुबह 06:46 बजे और सूर्यास्त शाम 05:26 बजे होगा। बता दें कि, खरना के दिन व्रती एक समय मीठा भोजन करते हैं। इस दिन गुड़ से बनी चावल की खीर खाई जाती है। इस प्रसाद को मिट्टी के नए चूल्हे पर आम की लकड़ी से आग जलाकर बनाया जाता है। इस प्रसाद को खाने के बाद व्रत शुरू हो जाता है। हालांकि, इस दिन नमक नहीं खाया जाता हैं।

संध्या अर्घ्य का समय

छठ पूजा का सबसे महत्वपूर्ण तीसरा दिन संध्या अर्घ्य का होता है। इस दिन व्रती घाट पर आकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इस साल छठ पूजा का संध्या अर्घ्य 19 नवंबर को दिया जाएगा। 19 नवंबर को सूर्यास्त शाम 05:26 बजे होगा। बता दें कि, छठ पूजा का तीसरा दिन बहुत खास होता है। इस दिन टोकरी में फलों, ठेकुआ, चावल के लड्डू आदि अर्घ्य के सूप को सजाया जाता है। इसके बाद नदी या तालाब में कमर तक पानी में रहकर अर्घ्य दिया जाता है।

हंसना मना है

सोनू अपने दोस्त मिंटू को ज्ञान बांट रहा था अगर परीक्षा में पेपर बहुत कठिन हो तो आंखें बंद करो, गहरी सांस लो और जोर से कहो- ये सब्जेक्ट बहुत मजेदार है इसलिए अगले साल फिर पढ़ेंगे।

एक बुढ़िया अम्मा को एक भिखारी मंदिर के बाहर मिला...भिखारी - भगवान के नाम पर कुछ दे दो मां जी, चार दिन से कुछ नहीं खाया। बुढ़िया 500 का नोट निकालते हुए बोली - 400 खुले हैं? भिखारी - हां हैं मां जी, बुढ़िया - तो उससे कुछ लेकर खा लेना...

डॉक्टर - आपका लड़का पागल कैसे हो गया? पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था। डॉक्टर - तो इससे क्या? पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।

सोनू पत्नी से- सुनती हो, अगर तुम्हारे बाल इसी रफ्तार से झड़ते रहे, तो मैं तुमको तलाक दे दूंगा। पत्नी- हे भगवान, मैं पागल अब तक इनको बचाने की कोशिश कर रही थी।

लड़की बंटी से- क्या कर रहे हो? बंटी - मच्छर मार रहा हूं। लड़की - अब तक कितने मारे? बंटी- पांच मारे.. तीन फीमेल और दो मेल। लड़की - कैसे पता चला कि मेल कौन है और फीमेल कौन? बंटी - तीन आईने पर बैठे थे और दो बियर के पास।

कहानी | दो अनमोल हीरे

एक व्यापारी को बाजार में घूमते हुए एक बहुत अच्छी नस्ल का ऊंट दिखाई पड़ा। व्यापारी और ऊंट बेचने वाले के बीच काफी लंबी सौदेबाजी हुई और आखिर में व्यापारी ऊंट खरीद कर घर ले आया। घर पहुंचने पर व्यापारी ने अपने नौकर को ऊंट का कजावा (काठी) निकालने के लिए बुलाया। कजावे के नीचे नौकर को एक छोटी सी मखमल की थैली मिली जिसे खोलने पर उसे कीमती हीरे जवाहरात भरे होने का पता चला। नौकर चिल्लाया, मालिक आपने ऊंट खरीदा, लेकिन देखो, इसके साथ क्या मुफ्त में आया है। व्यापारी भी हैरान था। उसने अपने नौकर के हाथों में हीरे देखे जो कि चमचमा रहे थे और सूरज की रोशनी में और भी टिम टिमा रहे थे। व्यापारी बोला- मैंने ऊंट ख़रीदा है, न कि हीरे, मुझे उसे तुरंत वापस करना चाहिए। नौकर मन में सोच रहा था कि मेरा मालिक कितना बेवकूफ है। बोला- मालिक किसी को पता नहीं चलेगा। पर, व्यापारी ने एक न सुनी और वह तुरंत बाजार पहुंचा और दुकानदार को मखमली थैली वापिस दे दी। ऊंट बेचने वाला बहुत ख़ुश था, बोला, मैं भूल ही गया था कि अपने कीमती पत्थर मैंने कजावे के नीचे छुपा के रख दिए थे। अब आप इनाम के तौर पर कोई भी एक हीरा चुन लीजिए। व्यापारी बोला- मैंने ऊंट के लिए सही कीमत चुकाई है इसलिए मुझे किसी शुक्राने और उपहार की जरूरत नहीं है। जितना व्यापारी मना करता जा रहा था, ऊंट बेचने वाला उतना ही जोर दे रहा था। अंत में व्यापारी ने मुस्कुराते हुए कहा- जब मैंने थैली वापस लाने का सोचा तो मैंने पहले से ही दो सबसे कीमती हीरे इसमें से अपने पास रख लिए थे। इस कबूलनामें के बाद ऊंट बेचने वाला भड़क गया उसने अपने हीरे जवाहरात गिनने के लिए थैली को तुरंत खाली कर लिया। पर वह था बड़ी पशोपेश में बोला- मेरे सारे हीरे तो यहीं है, तो सबसे कीमती दो कौन से थे जो आपने रखलिए? व्यापारी बोला- मेरी ईमानदारी और मेरा आत्म सम्मान। जिस-जिस के पास यह 2 हीरे है वह दुनियां के सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

7 अंतर खोजें

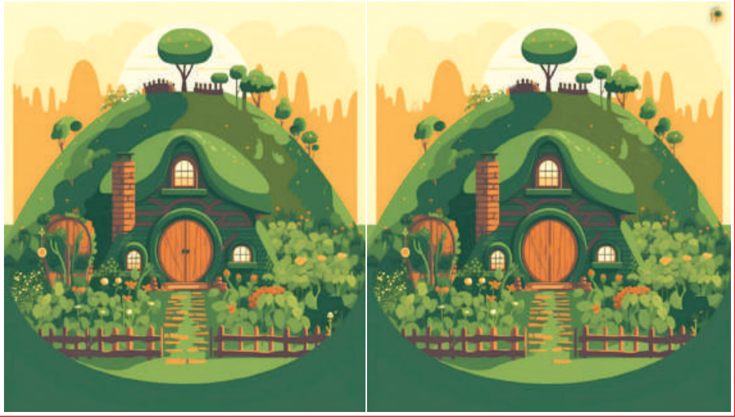

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

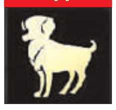

आज का दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। व्यापारियों के लिए आज का दिन ठीक रहेगा। आज आपको छोटा मोटा फायदा मिल सकता है।

तुला

अचानक यात्रा के कारण आप आपाधापी और तनाव का शिकार हो सकते हैं। धन की आवक कमजोर रहेगी। रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत बनेगी।

वृषभ

आज का दिन आपके लिए शुभ परिणाम लेकर आएगा। आज आपको दिनभर एक के बाद एक शुभ सूचना प्राप्त होती रहेगी, जिसके कारण आपके मन में उत्साह बना रहेगा।

वृश्चिक

आज आपको सामाजिक क्षेत्र में भी सम्मान प्राप्त हो सकता है। आज आप अपने व्यवसाय में किसी नए प्रोजेक्ट पर कार्य करने से पहले अपने पार्टनर से सलाह ले सकते हैं।

मिथुन

आज आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी, क्योंकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियां हो सकती हैं।

धनु

आज जीवनसाथी के साथ मिलकर घर के जरूरी कार्यों को पूरा करने की कोशिश करेंगे। जिससे आपके परिवार वालों को थोड़ी राहत महसूस होगी।

कर्क

आज आप अपनी बात स्पष्ट रुप से कहने की कोशिश करें। अपने कामकाज में नया प्रयोग करने में आप सफल हो सकते हैं। अपने सामाजिक जीवन को दरकिनार न करें।

मकर

अविवाहितों को वैवाहिक प्रस्?ताव मिल सकते हैं। बच्चों के साथ वाद-विवाद झुंझलाहट पैदा करेगा। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है।

सिंह

आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहेगा। आज आप अपने लंबे समय से रुके हुए जरूरी कारण कामों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे, भाई बहनों से संबंध बेहतर बनेंगे।

कुम्भ

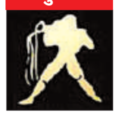

आज का दिन आपके लिए अन्य दिनों से बेहतर रहेगा। ऑफिस में भी यदि आज आपका किसी से कोई वाद-विवाद होगा, तो उसमें आपकी जीत हो सकती है।

कन्या

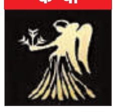

आज उन चीजों को महत्व दें जो सच में आपके लिए महत्वपूर्ण हैं, तो आपके लिए बेहतर साबित होगा। आपको अपने दोस्तों और काम के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा।

मीन

आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। किसी काम को करने में आज आपके सामने कई चुनौतियां आएंगी। लेकिन धैर्य से काम करेंगे तो आपको सफलता जरुर मिलेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

कुछ लोगों को मेरी सफलता पर विश्वास नहीं था : ऋचा

ऋचा चड्ढा फिल्मों के अलावा बेबाक बयानों को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। ऋचा चड्ढा ने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों के दिलों में एक खास पहचान बनाई है। अभिनेत्री हाल ही में रिलीज हुई फिल्म फुकरे-3 में नजर आई थीं। इस फिल्म को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और ऋचा चड्ढा के दमदार अभिनय की भी तारीफ की गई थी। हाल ही में, एक मीडिया बातचीत में ऋचा चड्ढा ने अपने शुरुआती फिल्मी करियर के बारे में बात की। अभिनेत्री ने यह भी खुलासा किया कि उनकी सफलता पर कोई विश्वास नहीं करता था। हाल ही में एक मीडिया बातचीत के दौरान ऋचा चड्ढा ने खुलासा किया कि कितने लोगों को तो उनकी सफलता पर विश्वास नहीं हुआ था। अभिनेत्री ने कहा कि वह उन लोगों से मिलीं, जिनके साथ उन्होंने गैंग्स ऑफ वासेपुर में काम किया था। उन लोगों ने कहा, हमने कभी नहीं सोचा था कि आप अपने जीवन में इतना आगे तक पहुंच पाएंगी। ऋचा चड्ढा ने बताया, उनके इस जवाब से मुझे बुरा नहीं लगा, बल्कि सुनने में अच्छा महसूस हुआ, क्योंकि वह मेरी तारीफ कर रहे थे। फुकरे अभिनेत्री ने आगे कहा कि इंडस्ट्री में सभी के साथ मिलकर रहना बहुत जरूरी है। ऋचा चड्ढा ने कहा, मैं न तो इंडस्ट्री में दोस्त बनाने जाती हूं और न ही दुश्मन। जिस के साथ काम करती हूं या नहीं किया है, सभी के साथ अच्छे से पेश आती हूं। इंडस्ट्री में एक-दूसरे के साथ अच्छा व्यवहार रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि साथ मिलकर ही हम अच्छे से काम कर सकते हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा, अगर मुझे लगता है कि किसी का व्यवहार अच्छा नहीं है, तो मैं उस व्यक्ति से अलग हो जाती हूं। ऋचा चड्ढा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे मृगदीप सिंह लांबा द्वारा निर्देशित फिल्म फुकरे-3 में नजर आई थीं। यह फिल्म 28 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फुकरे-3 ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था।

जल्द ब्वायफ्रेंड विजय वर्मा संग सात फेरे लेंगी तमन्ना भाटिया

बॉलीवुड कपल तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा ने हाल ही में अपना रिलेशनशिप ऑफिशियल किया है। दोनों अक्सर हाथों में हाथ डाले नजर आते हैं। अब विजय और तमन्ना अब अपने रिलेशनशिप को अगले लेवल यानी शादी पर लेकर जाने की प्लानिंग कर रहे हैं।

हालिया मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि कपल शादी को लेकर सीरियस हो रहे हैं। तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा को फैंस शादी के बंधन में बंधता देखना चाहते हैं और अब दोनों के पेरेंट्स भी चाहते हैं के कपल शादी कर ले। सूत्रों के हवाला से कपल को लेकर बताया जा रहा है कि तमन्ना के पेरेंट्स उनपर विजय के साथ शादी को लेकर प्रेशर बना रहे हैं। बता दें कि तमन्ना और विजय दोनों के पेरेंट्स एक दूसरे से मिल चुके हैं। फैंस भी चाहते हैं कपल जल्दी से शादी के बंधन में बंध जाए।

एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने शादी के बारे में बात करते हुए कहा था कि, मुझे लगता है कि जब आप शादी करना चाहते हैं तो आपको शादी कर लेनी चाहिए। शादी एक बड़ी जिम्मेदारी होती है, यह कोई पार्टी नहीं है। इसमें काफी मेहनत लगती है, जैसे पौधा को बड़ा करना, एक कुत्ता पालना या बच्चे पैदा करना एक काम है। इसलिए जब आप ऐसी जिम्मेदारी के लिए तैयार हों जो जरूरी हो, तभी उसे करें। इसलिए नहीं कि समय या सब कर रहे है तो करलो।

तमन्ना ने एक इंटरव्यू में यह भी कहा था, जब मैंने सालों पहले काम करना शुरू किया था तो ऐसा लगता था कि एक एक्ट्रेस का करियर केवल 8-10 साल का होता था। इसलिए मैंने हिसाब लगाया और मुझे लगा कि 30 साल की उम्र तक मैं काम करना बंद कर दूंगी और शादी करके दो बच्चे पैदा कर लूंगी। मैंने 30 के बाद की कोई प्लानिंग नहीं की थी। इसलिए, जब मैं सच में 30 साल की हो गई, तो मुझे एहसास हुआ कि मैं तो अभी-अभी पैदा हुई हूं, यह एक पुनर्जन्म जैसा था, मुझे बिल्कुल नए बच्चे जैसा महसूस हुआ।

सारा की मां का किरदार निभाना चाहतीं करीना कपूर

करण जौहर के लोकप्रिय चैट शो कॉफी विद करण 8 के नए एपिसोड में अभिनेत्री करीना कपूर और आलिया भट्ट एक साथ नजर आई हैं। ननद और भाभी की इस जोड़ी को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। एपिसोड के दौरान दोनों अभिनेत्रियों ने अपने व्यक्तिगत और प्रोफेशनल जीवन के बारे में खुलकर बात की है। इसी चैट शो के दौरान करीना ने बताया है कि उन्हें किसी भी फिल्म में सारा अली खान की मां का रोल करने में कोई आपत्ति नहीं है।

करण ने चैट शो के दौरान बेबो से पूछा, अगर आपसे किसी फिल्म में सारा की मां का किरदार निभाने के लिए कहा जाए तो क्या आप ऐसा करेंगी? इस पर करीना ने तुरंत जवाब देते हुए कहा, मैं एक अभिनेत्री हूं। मैं हर उम्र में अभिनय के साथ खेल सकती हूं। इसे आप कभी नहीं जान पाएंगे। करण ने आगे पूछा, तो क्या आप इसके लिए तैयार हैं? करीना ने कहा, मैं अभिनय जैसी हर चीज के लिए तैयार हूं।

इसके बाद करण ने कई लोकप्रिय दक्षिण सितारों के नाम दिए और उनके साथ अभिनय करने के लिए एक अभिनेता चुनने को कहा, जिनमें प्रभास, राम चरण, विजय देवरकोंडा, अल्लू अर्जुन और यश का नाम शामिल था। इस पर करीना ने कहा, मैं एक केजीएफ लड़की की तरह हूं। तो यश के साथ काम करने में मुझे मजा आएगा। मैंने केजीएफ देखी है। यह सुनकर करण हैरान रह गए क्योंकि करीना ने पहले दावा किया था कि वह कोई फिल्म नहीं देखती हैं और खुलासा किया था कि उन्होंने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी भी नहीं देखी है। इस चैट शो में आलिया ने अपनी निजी जिंदगी के बारे में भी खुलकर बात की और कहा कि वह परफेक्ट कपूर बहू हैं।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | क्या आपको मालूम है कोहरे का पूरा साइंस

सर्दियों में ही क्यों आती कोहरे की चादर?

दिल्ली-एनसीआर इन दिनों धुंध की चादर में लिपटा हुआ है। चारों ओर बस धुआं ही धुआं। लेकिन कुछ दिनों बाद जैसे-जैसे सर्दियां गहराती जाएंगी, यह चादर और भी घनी होने लगेगी। क्योंकि तब कोहरा भी इसमें मिल जाएगा। हम सब जानते हैं सर्दी के दिनों में कोहरा आता है जो शहर हो या गांव, चारों ओर ढंक लेता है। लेकिन कभी सोचा कि यह आता कहां से है? उस वक्त तो इतनी बारिश भी नहीं होती कि वाष्पीकरण हो और आसमान में बादल बन जाए। आखिर सर्दी के दिनों में ही कोहरा क्यों आता है? ऑनलाइन प्लेटफार्म कोरा पर यही सवाल पूछा गया। क्या आपको पता है इसका सही जवाब। इसके पीछे का साइंस क्या है? आइए जानते हैं।

सबसे पहली बात, सर्दियों में कोहरा पड़ना आम बात है। इन दिनों कई राज्य इसकी चपेट में हैं। कोरा पर एक यूजर ने इसके बारे में दिलचस्प जानकारी शेयर की। बताया कि ओस, धुंध, कोहरा या फॉग, ये सभी आपस में मिलते जुलते हैं। सर्दियों में मौसम ठंडा होने पर वायु जब पौधों के संपर्क में आती है तो वायु में उपस्थित जल छोटी छोटी बूंदों के रूप में पत्तों पर जमा हो जाता है, इसे ओस कहते हैं। हवा में उपस्थित जल वाष्प जब संघनित होकर धुएं के रूप में हवा में तैरते रहते हैं तो इसे धुंध कहते हैं। और जब यह धुंध गहरी हो जाती है तो इसे कोहरा या फॉग कहते हैं। जहां शहरों में वायु प्रदूषण अधिक होता है वहां ये फॉग धूएं के साथ चिपक कर और अधिक गहरा हो जाता है। यह जमीन के पास अधिक गहरा होता है इसलिए देखने में कठिनाई होती है। धुएं व कोहरे के इस मिश्रण को स्मोग कहते हैं। ये तो रही पूरी कहानी, लेकिन फिर सवाल वही कि आखिर ओस की यह बूंदें आती कहां से हैं।

जब पानी से निकली भाप अपने गैस फॉर्म में गाढ़ी हो जाती है तो वह कोहरे की तरह नजर आती है। हवा में पानी की छोटी छोटी बूंदें तैरती रहती हैं। गर्मी के दिनों में तो यह गैस फॉर्म में रहती है और बादल बनकर ऊपर उड़ती रहती है। लेकिन सर्दियों के दिनों में ठंड के कारण यह वाष्प जम जाती है और भारी हो जाती है। इसकी वजह से यह ज्यादा ऊपर नहीं उठ पाती और कोहरे का रूप ले लेती है। नदी, समुद्र जैसे जलस्रोतों के ऊपर जब सर्द हवा हल्की गर्म नमी वाली हवा से मिलती है तब नमी वाली हवा भी ठंडी होने लगती है। तब आर्द्रता 100प्रतिशत तक पहुंच जाती है। इसके बाद ही कोहरा बनने की प्रक्रिया शुरू होती है। कोहरा और कुहासा में भी फर्क है। देखने में तो दोनों एक जैसे नजर आते हैं क्योंकि दोनों ही हवा के निलंबित कणों पर पानी की सूक्ष्म बूंदों से बने होते हैं। इनमें केवल जल की सूक्ष्म बूंदों के घनत्व के कारण अंतर होता है। कुहासा की तुलना में कोहरे में जल की सूक्ष्म बूंदें ज्यादा होती हैं। साइंस के नजरिए से देखें तो कोहरे में दृश्यता सीमा एक किलोमीटर से कम रह जाती है।

गैस सिलिंडर के पाइप की भी होती है एक्सपायरी डेट, ऐसे करें चेक

हमारी डेली लाइफ में ऐसी कई चीजें होती है जो जानकारी के अभाव में बड़ी दुर्घटनाओं में बदल जाती है। हम सिर्फ दुर्घटना को देखते हैं, उसके पीछे का असली कारण तो हमें पता ही नहीं होता। अगर घरों में होने वाले दुर्घटनाओं की बात करें तो कई जगहों पर गैस सिलिंडर में धमाके की खबर आती है। हम समझ नहीं पाते कि आखिर ये धमाका हुआ कैसे? जब गैस सिलिंडर अच्छे से फिक्स किया गया था, तो धमाका हो कैसे गया? पिछली बार हमने आपको बताया कि कैसे सिलिंडर की एक्सपायरी डेट चेक ना करना दुर्घटना को न्योता देता है। लोगों को ये पता ही नहीं होता कि सिलिंडर की एक्सपायरी डेट होती है। ऐसे में वो बिना चेक किये सिलिंडर ले लेते हैं। ऐसे सिलिंडरों में ही इस्तेमाल के वक्त ब्लास्ट होता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि सिलिंडर में लगने वाली पाइप की भी एक्सपायरी डेट होती है। लोगों को ये पता ही नहीं होता कि सिलिंडर में लगने वाले इस पाइप की एक्सपायरी डेट चेक करके ही उसे लगना चाहिए। सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर एक वीडियो किया गया। इसमें लोगों को इस बात की जानकारी दी गई कि कैसे सिलिंडर के पाइप की एक्सपायरी डेट चेक की जाती है। इसके लिए आपको BIS Care की साइट पर जाइये या इस ऐप को डाउनलोड कर लीजिये। इसके बाद इसमें दिए गए एक्सपायरी डेट को वेरिफाई करने के सेक्शन में जायें। आपके पाइप के ऊपर एक नंबर लिखा होता है। उसे यहां डालें और उसका एक्सपायरी डेट चेक करें। सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर एक वीडियो किया गया। इसमें लोगों को इस बात की जानकारी दी गई कि कैसे सिलिंडर के पाइप की एक्सपायरी डेट चेक की जाती है। इसके लिए आपको BIS Care की साइट पर जाइये या इस ऐप को डाउनलोड कर लीजिये। इसके बाद इसमें दिए गए एक्सपायरी डेट को वेरिफाई करने के सेक्शन में जायें। आपके पाइप के ऊपर एक नंबर लिखा होता है। उसे यहां डालें और उसका एक्सपायरी डेट चेक करें।

लोग मर रहे थे, पीएम लाइट जलवा रहे थे : राहुल

बोले- कांग्रेस की सरकार मतलब किसान और मजदूर की सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं। इस बार उन्होंने कोरोना काल के समय का जिक्र करके पीएम को घेरा है। उन्होंने कहा में जब देशभर में लोग मर रहे थे, तब पीएम मोदी थाली बजवा रहे थे और मोबाइल की लाइट जलवा रहे थे, इतना ही नहीं कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री पर पूंजीपतियों के लिए काम करने का भी आरोप लगाया। राजस्थान के चूरू में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, यहां हम गरीबों की सरकार चलाते हैं, हम आपकी रक्षा करते हैं, वहीं, नरेंद्र मोदी ने जीएसटी लागू किया और पहली बार देश के किसानों को टैक्स देना पड़ रहा है, उन्होंने (पीएम मोदी) नोटबंदी की और सभी छोटे व्यापारियों को खत्म कर दिया।

कांग्रेस की सरकार मतलब किसान और मजदूर की सरकार। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि आज पीएम मोदी की गांरटी पर लोग हंसते है उन्होंने 15 लाख देने का वादा किया था। क्या वह लोगों को मिल गया। मोदी की गारंटी मतलब है अडानी की गांरटी और कांग्रेस की सरकार मतलब किसान और मजदूर की सरकार। उन्होंने लोगों से पूछा कि आप अडानी की सरकार चाहते हो या किसान, मजदूर और युवा की राहुल गांधी ने दावा किया कि राजस्थान की सरकार ने लोगों के लिए बहुत काम किया है और अगर बीजेपी की सरकार सत्ता में आई तो हम लोगों ने जो किया है, उसे खत्म कर देगी और अरबपति के लिए काम करेगी।

राजस्थान में कांग्रेस को सत्ता से हटाना जरूरी : जेपी नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि हमने अपना मेनिफेस्टो एक करोड़ से ज्यादा लोगों से सुझाव लेने के बाद तैयार किया है।

आज अगर राजस्थान में भ्रष्टाचार के मामले में कोई पार्टी सबसे आगे है तो वो कांग्रेस है। राजस्थान में आज पिछड़ों और अनुसूचित जाति पर अत्याचार हो रहे हैं, बात अगर महिलाओं के साथ होने वाले अपराध की करें तो राजस्थान इसमें भी दूसरों राज्यों की तुलना में सबसे आगे हैं। इतना ही नहीं राजस्थान में रिकॉर्ड तोड़ पेपर लीक के मामले भी सामने आए हैं।

अमीरों के लिए काम करते हैं पीएम मोदी

कांग्रेस सांसद ने कहा कि जहां भी देखो, अडानी कुछ न कुछ बिजनेस कर रहे हैं। हवाई अड्डे, बंदरगाह, सीमेंट प्लांट, सड़कें सब उसके हैं। वह (पीएम मोदी) अमीरों के लिए काम करते हैं। वह अडानी की मदद करते हैं, अडानी पैसा कमाता है और वह पैसा विदेशों में इस्तेमाल किया जाता है। कृषि कानून को लेकर राहुल गांधी ने कहा, पीएम मोदी कृषि कानून लेकर आए और कहा कि इससे किसानों को फायदा होगा, लेकिन देश के सारे किसान इसके खिलाफ धरने पर बैठ गए। किसानों ने कहा कि यह हमारा नहीं, अडानी-अंबानी का कानून है। अंत में कांग्रेस ने किसानों के साथ मिलकर इस काले कानून को खत्म किया।

साढ़े सात लाख बच्चों का भविष्य शासन के चलते अंधकार में : जावेद

» यूपी मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष का फूटा दर्द, सीएम योगी को लिखा पत्र

» बोले-आठ साल से नहीं मिल रहा मदरसों को मान्यता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी मदरसा बोर्ड के चेयरमैन ने सीएम योगी को पत्र लिखा है। उन्होंने यूपी में चल रहे मदरसों की मान्यता को लेकर यह पत्र लिखा है। बता दें कि यूपी मदरसा बोर्ड के चेयरमैन डॉक्टर इफ्तिखार अहमद जावेद ने सीएम योगी को पत्र लिखकर यूपी में चल रहे मदरसों को मान्यता देने के लिए विशेष पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि साढ़े सात लाख बच्चों का भविष्य शासन के चलते अंधकार में है। इसके साथ उन्होंने कहा यूपी के मदरसों में 90-95 प्रतिशत बच्चे पसमांदा समाज के हैं।

चेयरमैन डॉक्टर इफ्तिखार अहमद जावेद ने पत्र में यूपी में मदरसों के सर्वे का जिक्र भी किया है। उन्होंने पत्र में जिक्र करते हुए कहा है कि गैर मान्यता मदरसों का सर्वे हुए करीब एक साल से अधिक समय बीत चुका है। शासन की ओर से ऐसे मदरसों को मान्यता देने के लिए अभी तक कोई प्रयास नहीं किए गए हैं। उन्होंने पत्र में जिक्र किया है कि आठ वर्षों से यूपी में कई मदरसों की मान्यता नहीं हुई है। चेयरमैन डॉ. इफ्तिखार अहमद जावेद ने बताया कि साढ़े आठ हजार मदरसों का एक साल पहले सर्वे हुआ था।

मदरसों को अवैध कहने से होती है पीड़ा

डॉ. इफ्तिखार अहमद जावेद ने कहा कि यूपी में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों को अवैध कहने से पीड़ा होती है। उन्होंने कहा कि मान्यता देकर इन बच्चों को मुख्यधारा में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के पीएम नरेंद्र मोदी का भी सपना है कि एक हाथ में कुरआन व एक हाथ में कंप्यूटर होना चाहिए।

फोटो: 4 पीएम

आक्रोश आईसा और एपवा के संयुक्त तत्वावधान में परिवर्तन चौक से बीएचयू आईआईटी छात्रा के साथ हुई घटना के विरोध में निकाला मार्च। समर्थकों ने अपराधियों पर कड़ी कार्यवाई की माँग को लेकर पुलिस को सौंपा ज्ञापन।

जौहर विवि मामले की सुनवाई अब 29 को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। जौहर यूनिवर्सिटी में नगर पालिका की सफाई मशीन बरामद होने के मामले में सपा नेता अब्दुल्ला आजम कोर्ट में पेश हुए। उनके पिता मोहम्मद आजम खां की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सीतापुर जेल से पेशी हुई। अब इस मामले की सुनवाई 29 नवंबर को होगी। अब्दुल्ला को हरदोई जेल से कोर्ट लाया गया।

अब्दुल्ला के दो जन्म प्रमाणपत्र के मामले में सपा नेता आजम खां और अब्दुल्ला इन दिनों सीतापुर और हरदोई की जेल में सजा काट रहे हैं। दोनों ही पालिका की सफाई मशीन जौहर यूनिवर्सिटी में दबाने के मामले में भी नामजद हैं। यह मामला इन दिनों कोर्ट में विचाराधीन है। इस मामले में जहां एक कोर्ट में में दोनों की ओर से जमानत अर्जी दाखिल की गई है, वहीं दूसरी कोर्ट में यह केस अब ट्रॉयल पर भी आ गया है। दोनों ही केसों में कोर्ट ने उन्हें बुधवार को तलब किया था। बुधवार की सुबह करीब 11.15 बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अब्दुल्ला आजम को हरदोई जेल से रामपुर कोर्ट लाया गया, जहां पर उनकी एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट ट्रॉयल कोर्ट में पेशी हुई। कोर्ट में वह करीब सवा घंटे रहे। सुनवाई के दौरान सपा नेता आजम खां की सीतापुर जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेशी हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने अगली तारीख 29 नवंबर तय कर दी।

आजम और अब्दुल्ला की जमानत पर सुनवाई टली

भाईदूज के चलते बुधवार को वकील न्यायिक कार्य से विरत रहे। इस कारण जौहर यूनिवर्सिटी में सफाई मशीन बरामद होने के मामले में सपा नेता आजम खां और अब्दुल्ला आजम की जमानत अर्जी पर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। अब उनकी जमानत अर्जी पर सुनवाई 20 नवंबर को होगी।

दक्षिण अफ्रीका को हराकर ऑस्ट्रेलिया फाइनल में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। दोनों फाइनलिस्ट टीमें तय हो चुकी हैं। 19 नवंबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व कप 2023 का फाइनल मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच में 2003 विश्व कप के बाद दोनों टीमें एक दूसरे के सामने फाइनल में टकराएगी। ऐसे में भारतीय टीम 20 साल पुरानी हार का बदला लेने के इरादे से अहमदाबाद के मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देने के इरादे से उतरेगी।

भारतीय टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में अब तक कुल 19 वनडे मैच खेले हैं। इस दौरान टीम इंडिया ने 11 मैचों में जीत हासिल की हैं, लेकिन 8 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। रोहित ब्रिगेड का इस मैदान पर कोई दबदबा नहीं है। वहीं, दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कुल 6 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें से कंगारू टीम को 4 मैचों में जीत मिली है, जबकि 2 मैचों में हार का मुंह देखा है। 1986 और 2011 में भारत के खिलाफ ही इसी मैदान पर ऑस्ट्रेलिया को हार का सामना करना पड़ा। जबकि इस मैदान पर कंगारू टीम ने भारत के अलावा किसी और टीम के साथ कुल 3 वनडे मैच खेले है, जिसमें उसके हाथों जीत ही लगी है।

» **19 को अहमदाबाद में भारतीय टीम से होगी कंगारुओं की भिड़ंत**

विश्वकप में भारत– (19 वनडे मैच) – 11 बार (जीते)– 8 मैच (हारे)

अहमदाबाद में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के आंकड़े

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया	भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया- 1984	ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट से जीता।
भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया	भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया- 1986	भारत ने 52 रन से जीता
भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया	भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया- 2011	भारत ने 5 विकेट से जीता।

चौथी बार फाइनल खेलेगा भारत

बता दें कि भारतीय टीम चौथी बार विश्वकप के फाइनल में पहुंची है। साल 1983 में कपिल देव की कप्तानी में वेस्टइंडीज को मात देकर पहली बार भारत ने खिताब अपने नाम किया था। फिर 2003 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को करारी शिकस्त दी थी। उस समय सौरव गांगुली टीम इंडिया के कप्तान थे। इसके बाद 2011 में भारतीय टीम ने फाइनल में श्रीलंका को हराकर दूसरी बार विश्व कप का खिताब जीता।

मोदी को 2024 में सरकार बनाने के लिए बहुमत नहीं मिलेगा : केसीआर

बीआरएस प्रमुख बोले-पार्टियों का गठबंधन केंद्र में सरकार बनाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आदिलाबाद-निजामाबाद (तेलंगाना)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख के. चंद्रशेखर राव ने कहा कि आने वाले दिन क्षेत्रीय दलों के हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 2024 के लोकसभा चुनावों में बहुमत नहीं मिलेगा और पार्टियों का गठबंधन केंद्र में सरकार बनाएगा। तीस नवंबर के विधानसभा चुनाव के लिए एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी की कथित विफलताओं को सूचीबद्ध किया, विशेष रूप से तेलंगाना के संबंध में। राव ने साथ ही भविष्यवाणी की कि अगले साल के आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बहुमत पाने में विफल रहेगी।

उन्होंने क्षेत्रीय दलों के गठबंधन द्वारा केंद्र सरकार बनाने की संभावना पर प्रकाश डाला। राव ने बृहस्पतिवार को अपनी यह टिप्पणी दोहराई कि भाजपा और कांग्रेस एक-दूसरे से बहुत अलग नहीं हैं और इन दलों को वोट देना, वोट बर्बाद करना है। केसीआर ने दोनों पार्टियों की आलोचना करते हुए कहा, सांप्रदायिक कट्टरता भड़काने वाली भाजपा को कचरे में फेंक देना चाहिए। यदि आप भाजपा को एक वोट भी देते हैं, तो वह वोट की बर्बादी है। यदि आप कांग्रेस को वोट देते हैं, तो वह भी वोट की बर्बादी है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि किसी को उस पार्टी को वोट क्यों देना चाहिए जिसने तेलंगाना को एक भी मेडिकल कॉलेज या नवोदय स्कूल नहीं दिया है। उन्होंने कहा, यदि आप भाजपा को वोट देते हैं, तो वह बर्बाद हो जाएगा। लोगों को इसके बारे में सोचना चाहिए। मैं लोगों से इस बारे में विचार करने का अनुरोध कर रहा हूं। उन्होंने बीआरएस के धर्मनिरपेक्ष पहचान का उल्लेख करते हुए इस बात पर जोर दिया, जब तक केसीआर जीवित हैं, यह धर्मनिरपेक्ष रहेगा। उन्होंने अल्पसंख्यकों की कथित चिंता करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि 2014 में राज्य बनने से पहले दस साल तक शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी ने अल्पसंख्यकों के विकास पर केवल 2,000 करोड़ रुपए खर्च किए थे, जबकि पिछले दशक में बीआरएस सरकार ने 12,000 करोड़ रुपए खर्च किए।

कांग्रेस ने तेलंगाना के गठन में 15 साल की देरी की थी

लोगों को कांग्रेस के अतीत के कार्यों की याद दिलाते हुए, राव ने कहा कि कांग्रेस ने तेलंगाना के गठन में 15 साल की देरी की थी और यहां तक कि बीआरएस (तब टीआरएस) पार्टी को विभाजित करने की भी कोशिश की थी। उन्होंने यह भी आगाह किया कि जबकि कांग्रेस छह चुनावी गारंटी को लागू करने का वादा कर रही है, उसके नेता किसानों को रायथु बंधु निवेश समर्थन को करदाताओं के पैसे का व्यर्थ खर्च मानते हैं और किसानों के लिए मुफ्त बिजली आपूर्ति को 24 घंटे से घटाकर तीन घंटे प्रतिदिन करने की योजना बना रहे हैं। केसीआर ने यह भी चेतावनी दी कि धरणी एकीकृत भूमि प्रबंधन पोर्टल को बंदै करने की कांग्रेस की कथित योजना बिचौलियों के शासन के खतरे को वापस लाएगी। बीआरएस के चुनावी आश्वासनों के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि रायथु बंधु योजना के तहत भुगतान मौजूदा 10,000 रुपए से धीरे-धीरे बढ़ाकर 16,000 रुपए किया जाएगा और इसी तरह सामाजिक पेंशन को चरणबद्ध तरीके से 5000 रुपए तक बढ़ाया जाएगा। उन्होंने लोगों से वोट की अपील करते हुए कहा कि कल्याणकारी योजनाएं तभी जारी रहेंगी जब बीआरएस फिर से सत्ता में आएगी।

युद्ध में आम नागरिकों की मौत दुखद : मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पीएम ने दूसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायल और हमास के बीच जारी जंग में सामान्य नागरिकों के मारे जाने की निंदा करते हुए युद्ध के चलते पश्चिमी एशिया में बढ़ती चुनौतियों की पृष्ठभूमि में ग्लोबल साउथ के देशों के बीच एकता और सहयोग की जरूरत पर ज़ोर दिया। दूसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंसा और आतंकवाद के खिलाफ भारत के अटूट रुख पर जोर दिया।

आतंकवाद की घटनाओं में 7 अक्टूबर को हमास द्वारा इज़रायल पर किया गया हमला भी शामिल था। प्रधानमंत्री ने युद्ध खत्म करने के उद्देश्य को हासिल करने के लिए संयम बरतने और वार्ता को प्राथमिकता देने की अहमियत को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा, हम सभी के सामने है कि पश्चिमी एशिया क्षेत्र में हो रही घटनाओं की वजह से नई चुनौतियां उभर रही हैं। भारत ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए आतंकवादी हमले की निंदा की है, हमने संयम भी बरता है, हमने बातचीत और कूटनीति पर जोर दिया है, हम इजरायल और हमास के बीच युद्ध में सामान्य नागरिकों की मौत की भी कड़ी निंदा करते हैं।

फोटो: सुमित कुमार

मांग 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास के बाहर घेराव किया और नारेबाजी की। बड़ी संख्या में पहुंचे अभ्यर्थियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया और फिर ईको गार्डन भेज दिया। अभ्यर्थी नियुक्ति की मांग कर रहे थे।

कुलगाम में लश्कर के पांच दहशतगर्द ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में भारतीय सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई है। सेना के जवानों ने लश्कर-ए-तैयबा के पांच आतंकियों को ढेर कर दिया है। फिलहाल सर्च ऑपरेशन जारी है।

दरअसल, कुलगाम के सामनू इलाके में गुरुवार (16 नवंबर) को मुठभेड़ की शुरुआत हुई थी। अभी सुरक्षा बलों का ज्वाइंट ऑपरेशन चल रहा है। सेना की 34 राष्ट्रीय राइफल्स, एलिट स्पेशल फोर्स यूनिट, पुलिस और सीआरपीएफ मिलकर आतंकियों की तलाश कर रहे हैं। आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए इलाके में घेराबंदी तेज कर दी गई है। माना जा रहा है कि लश्कर-ए-तैयबा के दो स्थानीय और एक विदेशी आतंकी को घेर लिया गया है।

ज्ञानवापी सर्वे पर एएसआई ने फिर मांगा 15 दिन का समय

जिला जज की कोर्ट में आज नहीं दाखिल होगी रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर के सर्वे की रिपोर्ट भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की ओर से आज वाराणसी के जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में नहीं जमा की जा सकेगी। केंद्र सरकार के स्पेशल गवर्निंग काउंसिल अमित श्रीवास्तव ने कहा कि अभी रिपोर्ट तैयार नहीं हो सकी है। 15 दिन का अतिरिक्त समय देने के लिए हम अदालत में आवेदन देने जा रहे हैं।

माना जा रहा है कि अलग-अलग स्थानों से आई टीमों और त्योहारों के अवकाश के कारण रिपोर्ट तैयार होने में देरी हुई है। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने बीते 21 जुलाई को ज्ञानवापी परिसर (सील वजूखाने को छोड़ कर) के सर्वे का आदेश एएसआई को दिया था। 24 जुलाई से एएसआई की टीम ने सर्वे का काम शुरू किया था। दो नवंबर को एएसआई ने अदालत को बताया कि सर्वे पूरा हो चुका है। रिपोर्ट तैयार करने के लिए 15 दिन का समय और चाहिए। अदालत ने 17 नवंबर तक सर्वे रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया।

प्रदूषण से कराहा पूर्वोत्तर भारत, सांस लेना मुश्किल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देश के कई शहरों में एक्यूआई 400 के पार

नई दिल्ली। दिवाली के अगले दिन से ही दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ गया है। कई शहरों का एक्यूआई 300 के नीचे ही नहीं आ रहा है, जिसके कारण लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं, अब देश के सबसे प्रदूषित शहरों में और भी कई राज्य जुड़ गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को वायु गुणवत्ता और खराब हो गई। अब यह अति गंभीर श्रेणी के करीब पहुंच गई है। शहर में शुक्रवार सुबह सात बजे एक्यूआई 437 दर्ज किया गया है, जबकि गुरुवार शाम 4 बजे हवा की गुणवत्ता का सूचकांक 419 दर्ज किया गया था। इसके अलावा, गाजियाबाद (374), गुरुग्राम (404), ग्रेटर नोएडा (313), नोएडा (366), और फरीदाबाद (415) में भी वायु गुणवत्ता बहुत खराब से गंभीर दर्ज की गई।

पराली जलाने से बिगड़े हालात

हरियाणा के कई शहर बेहद गंभीर की श्रेणी में आ गए हैं, जिसमें नारनौल का एक्यूआई स्तर 435 पहुंच गया है। दूसरे स्थान पर फरीदाबाद में एक्यूआई 424 और रोहतक में एक्यूआई स्तर 409 है। वहीं, पंजाब में पराली जलाने के कारण प्रदूषण का स्तर काफी ज्यादा बढ़ गया है। गुरुवार को कुछ ज्यादा ही खराब एक्यूआई के हालात दिखे। यहां अधिकतम एक्यूआई 317, न्यूनतम 253 और एवरेज 287 पाया गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।